

CS(M) EXAM 2012

Serial No.

G-DTN-M-TJEB

SINDHI
(DEVANAGARI)
Paper-II
(Literature)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 300

INSTRUCTIONS

Candidates should attempt questions no. 1 and 5 which are compulsory, and any **THREE** of the remaining questions, selecting at least **ONE** question from each Section.

All questions carry equal marks.

Answers must be written in Sindhi in Devanagari script!

Important : Whenever a Question is being attempted, all its parts/sub-parts must be attempted contiguously. This means that before moving on to the next Question to be attempted, candidates must finish attempting all parts/sub-parts of the previous Question attempted. This is to be strictly followed.

Pages left blank in the answer-book are to be clearly struck out in ink.

Any answers that follow pages left blank may not be given credit.

SECTION - A

1. दैरिया हवाला समुद्रांते दृश्यक ते लग्नभग्न
15. अप्पजीन में तकीदी नोट लिरवो - (12x5)

- (i) पड़ाड़ो सो सड़, कर वाईअ जो जेलही
दृआ अग्निम गड़, बुधन में ब्रथिआ
- (ii) सचल मक्सद सारो आहे ते वटे इ अल्लाह,
इस वरी नाज पंहिंजे जो को राज मुररे।
- (iii) डूक हो डंगु, नारी कारी नांगिया,
मूर्ख मुठ केतिरा सामी करे संगु.
न्यारी रहे नम जां, को महोबती मलंगु,
जल में जल तरंग, लई डिंडो जंहु लख सां।
- (iv) जोगु जपु, तपु, साधना - भणिती समाधी क्षान में,
थो डंगु दी मस्त माया जो असर अजगर किये।
- (v) बीक आहे क्षान - आहे हयाती हलु हला
छा करु छा बुस्तान - दरिया वहंदो ईरहे

2. हिंदूयन सुवाल्पन जा जवाब लगामग
250 लक्षण में लिखो - (20x3)

(i), काट जे जीवन ते रोक्तिनी विश्व
संदर्भ काइर पूर्ण रूपियु लिखो ।

(ii), 'पादी वैदिकत जा' में सचल
छा चर्चो आहे ?

(iii) 'वेवसि गूनागून विघ्यन' ते लिखियो
आहे, 'सामूहिकी सिद्धान्त मां के मिसाल
कृदि समुक्षापो ।

3. हिंदूयन सुवाल्पन जा जवाब
लगामग 400 लक्षण में लिखो - (30x2)

(i), 'रोबान छावरो' मां के मिसाल दीदि
नाराइण इयाम जे काइर पूर्ण
रूपियु लिखो ।

(ii) 'विरहात्' रहने परेंजिस्टरी शास्र जा युंड
 किताब मां 'शाइर रिव्यूपास' कानी
 जे शाइर ते रोशनी विसो ।

4. ~~हैठपाल~~ सुवालपाल जा जवाल
 लग्नभग्न 200 लग्नभग्न मे लिखो - (15x4)

1. 'चीरीअ' जो तोशी नाटक जी
 अदवी कथ कथी ।

2. 'ओविद्या' बाबत सामीअ जा विचार
 घोरे मे लिखो ।

3. शाई जे सुफी मत रवे समुझयो ।

4. हृदराज दुर्वायल जी शाईरीअ ते
 मुरितसर मे रोशनी विजो ।

SECTION-B

5. ~~हैठियां~~ हवाला समुझाएं दर्हेक ते
 लग्नभग्न 15. लग्नभग्न मे तब्लीदी जोट लिखो (12x5)

(i) मां मरी रहियो आहियां हे तोरवे कुमार्ले
 मजाक पिपो सुझे ।

(Contd.)

(ii) "हीअ न कुनियादारी आहे... हिंकडे इंद्री
हे हिंकडे वेदे... सभिनी रवे श्वीअ
राद ते दृष्टिपो आहे..."

(iii) खड्डहि मन के पीडा वर्धी वेदी आहे
त इंसान हिंक हंथी वेदी न सधंदे आहे।

(iv) सज्जी कुनिया के को विष्णुडे
मशाहूर बंदरु हुंदो जिते सिंधी
वापारियुन पंहिंजो चेळे पुरऱ्हते न
रुपुपायो हुंदो।

(v) पर पहिरो कैतरो कि सरऱ्हत हजे
हिंलयुन के च्यार जो सलो न
उभंरंदी ही।

6- हैठयान सुवालय जा जवाव भगुमग
200 लप्पयान के लिरवो - (15x4)

(i) 'गुणीन जो बुलु' मजमून जो सारु
पंहिंजन लप्पयान के लिरवो।

(ii) 'भगालु घडी' कौदागाअ जी अदवी
कथ कपो।

(iii) 'सामीअ जू तकाबीहू' ने कुरिंतासर
में लोट लिया।

(iv) 'बुधन' काटापीअ ने समालोचना
की।

7. ~~हैठयन सुवालीन जा जवाव~~
लग्ज़िग 25. ~~लड़पीन में लियो-~~ (20x3)

i. 'सत डीह' नावल ने अद्वी
कथ की।

.(ii). 'कुहिंजी हपातीअ जा सोना सेपा
वल' 'मुझब लरिका लड़काण
मरिल दिकुस्तान अची कोइडा
डृष्टि दिछा?

(iii) चरतीअ सो जाते काटापीअ जो
सारु लियी उन्हें पेशाक्षिए जू
रुविधु वयान की

8- ~~ट्रिडयन~~ सुवालन जा जवाब
भग्नमण्ड ५०० ~~लप्पन~~ के लिखो। (30×2)

- (i) नाविल जे तत्वनि जे अधार
ते 'परवीअडा वलर रका विद्युतिया'
नाविल जी समालीयना करो।
- (ii) 'डा. चौधराम जी जीवन
भीजवाननि लाइ प्रेरणा आहे।'
संदर्भ सीवनीअ नां के मिसाल
डृढ़ लिखो।

— X —

